This question paper contains 8 printed pages.]

आपका अनुक्रमांक ....

421

B.A. (Programme) / I B

HINDI LANGUAGE (B) – Paper I

हिन्दी भाषा (ख) – प्रश्न-पत्र I

(प्रवेश-वर्ष 2004/2006 और तत्पश्चात् नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिये / NCWEB के विद्यार्थियों के लिये)

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

टिप्पणी : प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं । तथापि ये अंक, NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे ।

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

I. निम्नलिखित अनुच्छेद आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठों से लिए गए हैं । किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **8 + 8 = 16**

(क) आखिरकार ईश्वर क्या है और पुनर्जन्म क्या है ? अपने अस्तित्व की एक विराट परिधि का आविष्कार करना ईश्वर है । मृत्यु के बाद के जीवन का भी तात्पर्य वही

है । मृत्युपर्यन्त कालावधि जीवन की सीमा नहीं है । जीवन सिर्फ गति नहीं है । उसकी गहराई भी है । जीवन को नदी मानें तो प्रवाह उसका एक आयाम है । जिसको नदी के अतल गहराई कहते हैं उसी तरह समय पर भी एक आयाम बनता है । उस आयाम के द्वारा जीवन को जानो, मृत्युपर्यन्त कालावधि के द्वारा जीवन को सीमाबद्ध मत करो - शायद पुनर्जन्म जीवन की अनंतता की इस चेतना को पुष्ट करता था । तर्क में लाने के बाद पुनर्जन्म निश्चय ही एक अंधविश्वास हो जाता है । तर्क के ढाँचे में लाकर उसको सामाजिक अन्याय का भी एक आधार बनाया गया । चूँकि पुनर्जन्म है इसलिए पाप करने वाले ही नीच श्रेणी में पैदा होते हैं । यह है पुनर्जन्म को तर्क के ढाँचे में लाकर उसके अन्याय का आधार बनाना । फिर होता यह है कि आधुनिक ज्ञान की तर्क-पद्धतियों के आगे यह टिक नहीं पाता और अंधविश्वास के रूप में प्रमाणित होता है । तो पुनर्जन्म जैसी अवधारणा के द्वारा आप जीवन की अनन्तता का बोध पैदा नहीं कर सकते । अत: पुनर्जन्म फिर से नैतिकता का प्रेरणा-स्रोत नहीं बन सकता ।

(i) प्रस्तुत अनुच्छेद किस पाठ से अवतरित है ?

(ii) पुनर्जन्म की व्याख्या लेखक ने किस प्रकार की है ?

(iii) जीवन को किस रूप में परिभाषित किया गया है ?

(iv) 'कालावधि' और 'पुनर्जन्म' शब्दों का संधिविच्छेद कीजिए ।

(ख) अनुताप तथा दोष स्वीकार दोनों सहोदर भ्राता हैं । हमसे कोई पाप कर्म हो जाए और उसके लिए हम यदि किसी के प्रति उत्तरदायी हैं तो हमारा बल तभी है जब हम उसके सामने साफ-साफ शब्दों में अपने दोषों को स्वीकार कर लें । मनुष्य के हृदय में एक अशक्तता होती

है । वह कोई गलती कर बैठता है और उस भूल को मिथ्या अभिमान के वशीभूत होकर बजाय सुधारने के उसे छिपाता जाता है और ऐसा करने से उसे कई कृष्ण-कृत्य करने पड़ते हैं । आत्मबल तो कहता है कि सादर भूल स्वीकार कर, के अनुताप करो । तुम्हारा सच्चा स्वाभिमान इसी में है । किन्तु झूठी लोक लाज की ऐसी हिचक होती है कि हम उस भूल को स्वीकार नहीं करते ।

(i) 'कृष्ण-कृत्य' पदबंध में 'कृष्ण' शब्द का क्या अर्थ है ?

(ii) 'अनुताप' और 'दोष-स्वीकार' को सहोदर क्यों कहा गया है ?

(iii) मनुष्य के हृदय की किस अशक्तता की ओर लेखक ने संकेत किया है ?

(iv) 'आत्मबल' शब्द 'आत्म' और 'बल' के संयोग से बना है । 'आत्म' के संयोग से बनने वाले दो अन्य शब्द बताइये ।

(ग) कवि और कलाकार ही 'अनुपयोगी' चीजें नहीं देखते, सब देखते हैं । लोक जीवन में या दैनंदिन जीवन में केवल 'उपयोगी' को देखने भर से काम नहीं चलता । 'दीया तले अंधेरा' जैसी उक्ति दीये के नीचे के अंधेरे को ध्यान से देखने से ही बनी होगी । और ऐसी उक्तियाँ क्या हमारे काम नहीं आतीं । दरअसल देखने को हम जितना सीमित करते जाएँगे, हमारे अनुभवों की दुनिया भी उतनी ही सिकुड़ती जाएगी । आज ऐसी ही 'सिकुड़न' हम पा रहे हैं । हम टी.वी. के कार्यक्रमों को 'देखना' तो एक उपयोगी काम मानते हैं । लेकिन अपने आस-पास की बहुत-सी चीजों को देखना, अनुपयोगी काम मानने लगे हैं । लेकिन जिस दिन हम एक चिड़िया की उड़ान को, एक बच्चे की हँसी को, नदी के जल को,

पेड़-पत्तियों को, रंगों और रंगतों को, शाम के आकाश को, बदलती हुई ऋतु को, बादलों, पहाड़ों को, रेगिस्तानी विस्तार को देखना 'अनुपयोगी' काम मानने लगेंगे, वह दिन एक बहुत बुरा दिन होगा ।

(i) देखने को किन दो वर्गों में विभाजित किया गया है ?

(ii) अनुपयोगी देखने के अन्तर्गत लेखक ने किन चीजों की चर्चा की है ?

(iii) केवल उपयोगी को देखने के क्या परिणाम हो सकते हैं ?

(iv) "देखने को हम जितना सीमित करते जाएँगे, हमारे अनुभवों की दुनिया भी उतनी ही सिकुड़ती जाएगी ।" – इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए ।

2. किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **2 × 4 = 8**

(i) लेखक ने सन्तों के माध्यम से किस पर व्यंग्य किया है ?
(संत सीकरी में बड़े व्यस्त हैं)

(ii) लेखक ने स्वयं को नर्मदा पुत्र क्यों कहा है ?
(फिर उसी नर्मदा मैया की जय)

(iii) अगस्त्य मुनि को कुटज क्यों कहा जाता है ?
(कुट़ज)

(iv) देश के नौजवानों के लिए बिस्मिल का अन्तिम संदेश क्या था ?
(शहीद राम प्रसाद बिस्मिल का अन्तिम संदेश)

(v) साक्षर होने और शिक्षित होने में क्या अंतर है ?
(जनशिक्षा)

(vi) बहादुर लेखक की नौकरी छोड़कर क्यों चला गया ?
(बहादुर)

(vii) दिल्ली दरबार और बालक शिवशम्भु के स्वप्न में क्या समानता थी ?
(शिवशम्भु के चिट्ठे और ख़त)

3. 'परख' उपन्यास के आधार पर किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **10**

(i) सत्यधन कट्टो से विवाह क्यों नहीं करता ?

(ii) कट्टो के चरित्र की दो प्रमुख विशेषताएँ बताइये ।

(iii) "सत्यधन व्यावसायिक बुद्धि का व्यक्ति है ।" – इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

(iv) कट्टों का नाम कट्टो कैसे पड़ा ?

(v) अपने शृंगार की पोटली कट्टो किसके पास भेजती है और क्यों ?

(vi) कट्टो और बिहारी का विवाह किस अर्थ में विलक्षण है ?

(vii) बिहारी और सत्यधन के चरित्र में दो मुख्य अंतर बताइए ।

अथवा

'दस तस्वीरें' पुस्तक के आधार पर किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) दीक्षांत समारोह के अवसर पर झा साहब किस बात से आहत थे ?

(जीवन निर्माता अध्यापक : अमरनाथ झा)

(ii) राष्ट्रीय रंगमंच के बारे में शिशिर भादुड़ी के क्या विचार थे ?

(मतवाला कलाकार :शिशिर भादुड़ी)

(iii) पुरुषोत्तम मंगेश लाड किस रोग से पीड़ित थे ?

(अफ़सर जो विलक्षण अपवाद था : पुरुषोत्तम मंगेश लाड)

(iv) लक्ष्मीनारायण माथुर आर्य समाज के किस दृष्टिकोण की आलोचना करते थे ?

(लक्ष्मीनारायण माथुर : मेरे पिता)

(v) सुधीनदत्त के काव्य पर किस संस्कृत कवि के काव्य बिंबों का प्रभाव लक्षित किया गया ?

(द्रष्टा, कर्त्ता और कवि : सुधीन्द्रनाथ दत्त)

(vi) पैसे के प्रति पीयर्स का क्या दृष्टिकोण था ?

(आस्थावान अंग्रेज शिक्षक : एफ.जी. पीयर्स)

(vii) पन्नालाल घोष और बिस्मिल्ला खाँ के व्यक्तित्त्व की किस समानता को लेखक ने उद्घाटित किया है ?

(विराट स्वर का विधायक : पन्नालाल घोष)

4. (क) किसी **एक** का पल्लवन कीजिए : 4

(i) जिसकी लाठी उसकी भैंस

(ii) जहाँ चाह वहाँ राह

(iii) मीठी बानी बोलिए

(ख) निम्नलिखित अनुच्छेद का **संक्षेपण** कीजिए और उपयुक्त **शीर्षक** भी दीजिए : 4

मनुष्य की सार्थकता मन के कारण है । वह चिन्तनशील प्राणी है और उसके चिन्तन और मनन की प्रक्रिया मन से सम्भव है । मनुष्य का मन अपने आप में एक ब्रह्माण्ड है, जो कुछ बाह्य विश्व में घटित होता है, वह मनुष्य के भीतर भी घटित होता है । मन की शक्ति अपार है । उसकी गति पवन से भी तीव्रतर है । मन को चंचल कहा गया है, उसमें विचारों, संकल्प-विकल्पों की चंचल लहरियाँ उठती रहती हैं । इस मन को बाँधना, इसे सुमार्ग पर लाना ही मन को जीतना है । इसे जीत लेने में विश्व को जीत लेना निहित है । 'मन जीते जग जीत' – इस कथन में भी यही भाव छिपा है कि विश्व विजय के लिए मन को जीतना आवश्यक है । मन के पराजित हो जाने से मनुष्य की पराजय अवश्यम्भावी है । संकल्प अथवा दृढ़ विचारों से मन की विजय होती है तथा विकल्प अथवा विचलित विचारों वाला व्यक्ति, सब ओर से निराश हो जाता है । संसार में शक्तिशाली की विजय

होती है और शक्ति का स्रोत मन है । दुर्बल व्यक्ति का संसार में कहीं ठिकाना नहीं । कायर व्यक्ति संसार में मरने से पहले कई बार मरता है और कायरता का सम्बंध मन की हार से है । परिणामत: मन की हार बहुत भयंकर है । मन को मनुष्य का मित्र और शत्रु भी कहा गया है । यही उसके बंधन और मोक्ष का कारण है । यदि यह हमारे वश में है अर्थात् हम इसे जीत लेते हैं तो इससे बढ़कर हमारा कोई मित्र नहीं है और यदि यह हार जाता है तो यह हमारा शत्रु बन जाता है । इसीलिए कहा गया है मन के हारे हार है, मन के जीते जीत ।

5. किसी **एक** विषय पर वैचारिक लेख लिखिए : **5**

(i) दिल्ली में असुरक्षित नारी

(ii) राष्ट्रमण्डल खेल और भारत

(iii) कम्प्यूटर का महत्त्व

6. (क) शब्दकोश कितने प्रकार के होते हैं ? किसी **एक** प्रमुख शब्दकोश की विशेषताएँ लिखिए । **4**

(ख) शब्दकोश में प्रविष्टि के अनुसार निम्नलिखित शब्दों को वर्णक्रमानुसार लिखिए : **4**

आग्रह, ईश्वर, विज्ञान, समाज, मीरा, अनामिका, रंगमंच, कर्कश

(ग) किन्हीं **चार** के विलोम शब्द लिखिए : **2**

घृणा, निन्दा, उन्नति, शुष्क, संकल्प, रुग्ण, क्षणिक

(घ) किन्हीं **तीन** के दो-दो पर्यायवाची लिखिए : **3**

सूर्य, आभूषण, पानी, बिजली, पक्षी, आकाश

7. कार्यालयी हिन्दी **अथवा** अखबारी हिन्दी की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए । **4**

8. (क) कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार किन्हीं **तीन** वाक्यों का रूपांतरण कीजिए : 3

(i) सूर्यास्त होने पर पक्षी घोंसलों में लौटने लगे ।
(संयुक्त वाक्य)

(ii) खूब वर्षा होने पर बाढ़ आ गई ।
(मिश्र वाक्य)

(iii) माँ खाना पकाती है और सबको खिलाती है ।
(सरल वाक्य)

(iv) बच्चा मेला देखने जाता है ।
(निषेधवाचक)

(v) वे सब मन्दिर जा रहे हैं ।
(प्रश्नवाचक)

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** का वाच्य-परिवर्तन कीजिए : 3

(i) मुझसे चला नहीं जाता । (कर्तृवाच्य)

(ii) लड़कियों ने नाटक खेला । (कर्मवाच्य)

(iii) वह सारी रात नहीं सोती । (भाववाच्य)

(iv) मोर द्वारा बहुत ऊँचा नहीं उड़ा जाता ।
(कर्तृवाच्य)

(v) माँ बच्चे को खीर खिला रही है । (कर्मवाच्य)

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** संक्षिप्तियों के पूर्ण रूप लिखिए : 3

बसपा, माकपा, भाजपा, राजद, वि.अ.आ.

(घ) निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए : 2

समाजिक, स्त्रीयाँ, आर्शीवाद, अत्याधिक